Naidunia (Indore), 02nd March 2025, Front Page- plus 02

बीडिजाइन में प्रवेश परीक्षा और एमए-एमटेक में साक्षात्कार से मिलेगा दाखिला

अगले सत्र से आइआइटी में तीन नए पाठ्यक्रम होंगे शुरू

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 से तीन नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसमें एक स्नातक और दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग रखी गई है। बैचलर आफ डिजाइन (बीडिजाइन) के लिए प्रवेश परीक्षा है, जबकि एमए और एमटेक पाठ्यक्रमों में साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाएगा। संस्थान के अधिकारियों के मुताबिक इन सभी नए पाठ्यक्रमों का सिलेबस अप्रैल के अंत तक तैयार कर लिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया मई के दूसरे सप्ताह से प्रारंभ होगी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान। ● फाइल फोटो

मई से होगी प्रक्रिया प्रारंभ : नए पाठ्यक्रमों के लिए विस्तृत जानकारी और प्रवेश प्रक्रिया की आधिकारिक अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। साथ ही प्रवेश से जुड़े दिशा निर्देश दिए जाएंगे। शैक्षणिक योग्यता, दस्तावेज और प्रमाण पत्र के बारे में भी जानकारी साझा की जाएगी। संस्थान के प्रवक्ता सुनील कुमार का कहना है कि नए पाठ्यक्रमों से छात्रों को आधुनिक शिक्षा और विशेष प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा, जिससे वे अपने करियर में नए अवसर प्राप्त कर सकेंगे। पाठ्यक्रमों में अलग-अलग प्रवेश प्रक्रिया रखी गई है।

ये नए पाठ्यक्रम

बैचलर आफ डिजाइन (बीडिजाइन)
- यह पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए है, जिन्होंने बारहवीं कक्षा उतीर्ण की है। प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को अंडरग्रेजुएट कामन एंट्रेंस एग्जामिनेशन फार डिजाइन (यूसीइइडी) देना अनिवार्य होगी। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को काउंसलिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेना होगा। बी-डिजाइन पाठ्यक्रम में कुल 16 सीटें हैं।

एमए इन अंग्रेजी साहित्य एवं भाषा विज्ञान
- इस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कोई लिखित परीक्षा नहीं रखी गई है, बल्कि साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों का चयन किया जाएगा। आवेदन के बाद अभ्यर्थियों के फार्म की स्क्रूटनी की जाएगी और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की मेरिट बनाई जाएगी। सूची भी तैयार होगी। चयनित उम्मीदवारों को संस्थान स्तर पर आयोजित साक्षात्कार में शामिल होना होगा। पाठ्यक्रम में सिर्फ 10 सीटें हैं।

एमटेक इन संचार एवं सूचना प्रणाली
- यह विशेष रूप से मिलिट्री कालेज आफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) व सेना के अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। एमटेक में प्रवेश के लिए भी साक्षात्कार प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इस पाठ्यक्रम के तहत कुल 30 सीटें है।

बारह विषयों की आरएसी का परिणाम जारी

इंदौर: देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आरएसी) के परिणाम आना शुरू हो चुके हैं। लगभग एक दर्जन विभागों ने आरएसी के परिणाम और चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 15 मार्च तक साक्षात्कार की प्रक्रिया संपन्न करने को लेकर निर्देश दिए हैं। बाकी विभागों में भी साक्षात्कार की प्रक्रिया अंतिम चरणों में है। पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में पहले ही छह महीने की देरी हो चुकी है। 38 अध्ययनशालाओं में पांच फरवरी से 10 मार्च के बीच आरएसी का आयोजन किया गया है। अब तक लगभग 27 विषयों के साक्षात्कार पूरे हो चुके हैं। कुछ विभागों ने अपने विषयों के आरएसी परिणाम घोषित कर दिए हैं, जिनमें फिजिकल एजुकेशन, पर्यावरण एवं ऊर्जा, कंप्यूटर साइंस, फार्मेसी, बायोटेक्नोलाजी, लाइफ साइंस, वाणिज्य, प्रबंधन, पत्रकारिता, बाटनी, जूलाजी और डेटा साइंस शामिल हैं। इन विषयों में चयनित उम्मीदवारों की सूची बनाई है। अधिकारियों के मुताबिक अधिकांश कला संकाय से संबंधित विषयों की आरएसी प्रक्रिया चल रही है, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, भूगोल, संगीत, नृत्य व योग जैसे विषय शामिल हैं। पीएचडी सेल के प्रभारी डा. अशेष तिवारी ने बताया कि अप्रैल से कोर्स वर्क की कक्षाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी।